श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 6 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 जून 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

आचार्यदेवेशश्री की पावन निश्रा में स्नात्र महोत्सव अठारह अभिषेक एवं योगिराज गुरुदेव की पुण्यतिथि एवं समाधि मन्दिर का वार्षिक ध्वजारोहण

उदयपुर, (स. सं),

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में परम पूज्य पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमणवृन्द एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द की शुभ निश्रा में श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) तथा श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) के तत्वावधान में तीर्थाधिपति श्री वीरप्रभु के विलेपन के पश्चात् प्रथम पूजा शुभारम्भ निमित्त अठारह अभिषेक, 56 दिक्कुमारियों द्वारा स्नात्र महोत्सव एवं योगिराज, कृपासिन्धु गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. की 23 वीं पुण्यतिथि व समाधि मन्दिर की 18 वीं वार्षिक ध्वजारोहण दिनांक 11-12 जून 2019 को दो दिवसीय महोत्सव के साथ आयोजित किया गया।

वीरप्रभु का अभिषेक करते

महोत्सव के प्रथम दिन आचार्यदेवेश की पावन निश्रा में तीर्थाधिपति श्री वीरप्रभु के विलेपन के पश्चात् प्रथम पूजा शुभारम्भ निमित्त अठारह अभिषेक, 56 दिक्कुमारियों द्वारा स्नात्र महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। वहीं संगीतमय जन्ममहोत्सव मनाया गया, जिसमें प्रभु के जन्म, बाल्यकाल, भक्ति की ओर आकर्षित होना, परिजनों के साथ भक्ति करना आदि दर्शित करते हुए अपनी जीवन्त कला को प्रदर्शित करते हुए कलाकारों ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को भाव विभोर कर दिया।

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने इस अवसर पर उपस्थित धर्मप्रेमियों को धर्मदेशना प्रदान करते हुए कहा कि वर्तमान में मनुष्य क्षणिक सुख की लालसा में अपनी परम्पराओं, संस्कृति एवं धर्म-कर्म से विमुख होता जा रहा है। परन्तु प्राचीनकाल से ही मनुष्य के संस्कार विकास में इनका योगदान रहा था। लोभ, मोह, ईर्ष्या यह मनुष्य के प्रबल शत्रु हैं और इनके जाल में फँसकर मनुष्य अपने नैतिक दायित्वों को भूल रहा है तथा उसका बोध कराने का कार्य देश भर में साधु-सन्त करते हुए उन्हें संसार-सागर से तारने का कार्य कर रहे हैं। इसलिए साधु-सन्तों की निश्रा में रहकर धार्मिक विचारों को जीवन में आत्मसात करते हुए इस दुर्लभ मनुष्य जीवन को सफल बनाना चाहिये। क्योंकि धार्मिक विचारों से परिवार में भी सन्तानों में सद्विचारों का प्रादुर्भाव होता है।

56 दिक्कुमारियों की भावमुद्रा देख प्रसन्न मुद्रा में आचार्यश्री

दोपहर में विधिकारक श्री त्रिलोकभाई एवं धरणेन्द्रभाई के निर्देशन में अठारह अभिषेक किए गए, अठारह अभिषेक में चन्द्रदर्शन कराने का लाभ शा. वाघजीभाई बादरमलजी सेठ-पिलुडा (थराद), सूर्य दर्शन कराने का लाभ शा. भँवरलाल मेघराजजी वोरा-सुराणा, प्रभुजी की प्रथम अष्टप्रकारी पूजा कराने का लाभ शा. वाघजीभाई बादरमलजी सेठ-पिलुडा (थराद), प्रभुजी की आरती का लाभ शा. कालुचन्द साँकलचन्दजी हुकमाणी-पाँथेड़ी, मंगल दीपक का लाभ शा. चम्पालाल भेरमलजी हुकमाणी-पाँथेड़ी एवं शान्ति कलश का लाभ श्रीमती सकुदेवी साँकलचन्दजी हुकमाणी-पाँथेड़ी ने लिया। अभिषेक के आयोजन में विशाल संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। अन्त में लाभार्थी परिवार द्वारा प्रभुजी की भव्य आरती उतारी। रात्रि को संगीतकारों द्वारा भक्ति की रमझट मचाई गई।

फूलों से सुसज्जित जिनालय एवं समाधि मन्दिर

आचार्यश्री नूतन ध्वजा पर वासक्षेप करते

ध्वजारोहण करते लाभार्थी परिवार

महोत्सव के अन्तर्गत पूरे मन्दिर परिसर को आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी एवं फूलों से सुसज्जित किया गया एवं तोरण द्वार बनाए गए। दोनों दिन नयनाभिराम अंगरचना की गई।

दिनांक 12-6-2019 को प्रथम पक्षाल पूजा आदि के चढ़ावे बोले गए जिसमें श्रद्धालु परिवारों ने उत्साह से लाभ लिया। योगिराज श्री शान्तिविजयजी म. सा. के समाधि मन्दिर पर ध्वजारोहण शा. गेबाजी धर्माजी डामराणी परिवार द्वारा विधिविधान के साथ किया गया।

आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में आयोजित गुणानुवाद सभा में आचार्यदेवेशश्री एवं कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि अनेक वक्ताओं ने योगिराज संयमवयःस्थविर गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृपासिन्धु गुरुदेव सरलता, सौम्यता एवं वात्सल्यता की प्रतिमूर्ति थे। गुरुदेवश्री ने अपने जप-तप एवं आध्यात्मिक बल से जिनशासन के महती कार्यों का निष्पादन सरलता और सहजता से किया वह आज भी अनुकरणीय एवं अनुमोदनीय है। उनके विराट व्यक्तित्व को शब्दों में समेटना सूर्य को दीपक बताने के समान है। गुणानुवाद सभा में आरती के चढ़ावे बोले गये। आचार्यदेवेशश्री द्वारा पधारे समस्त गुरुभक्तों को अन्त में माँगलिक श्रवण कराया गया। गुणानुवाद सभा के पश्चात् पधारे हुए गुरुभक्तों ने स्वामीवात्सल्य का लाभ लिया।

श्री शान्तिविजय अष्टप्रकारी पूजा व प्रभु आरती एवं भक्ति का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगीतकार अंकित गोधा पार्टी, नीमच ने अपनी संगीतमय प्रस्तुतियाँ देते हुए भक्तों को आनन्दित किया।

इस दो दिवसीय भव्य महोत्सव को निहारने के लिए राजस्थान ही नहीं अपितु गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु आदि प्रान्तों से एवं निकटवर्ती नगरों से विशाल संख्या में गुरुभक्त पधारे।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

गच्छाधिपतिश्री की पावन निश्रा में इन्दौर में प्रतिष्ठा महोत्सव

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर नगर में श्री वासुपूज्यस्वामी एवं श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर की भव्य प्रतिष्ठा दिनांक 28 जून 2019 को विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आयोजित की जायगी।

गच्छाधिपतिश्री से इन्दौर श्रीसंघ प्रतिष्ठा मुहूर्त्त प्राप्त करते

गच्छाधिपतिश्री की सेवामें इन्दौर में प्रतिष्ठा करवाने की विनती करने विहारानुक्रम में बापू नरसिंह सेवानन्द धाम काचला में इन्दौर त्रिस्तुतिक संघ के अध्यक्ष-श्री सुरेन्द्रजी पोरवाल, सचिव-श्री महेन्द्रजी बाग वाले, श्री सोहनलालजी पारिख, श्री अशोकजी जैन, श्री धनराजजी संघवी, श्री वीरेन्द्रजी लुंकड़, श्री मुकेशजी पोसिन्ना, श्री तेजूजी बब्बोरी एवं अन्य ट्रस्टीगण पधारे। धर्म दिवाकरश्री ने श्रीसंघ की भाव भरी विनती को स्वीकार करते हुए स्वीकृति प्रदान की। स्वीकृति प्राप्त होते ही सभी ने हर्षध्वनि करते हुए एक दूसरे को बधाई अर्पित की।

धर्मदिवाकरश्री का भव्य मंगल प्रवेश

गच्छाधिपतिश्री यहाँ से विहार करते हुए पिटोल होते हुए झाबुआ पधारे। झाबुआ पधारने पर महावीर बाग में नवकारसी के पश्चात् भव्य शोभायात्रा के साथ ऋषभदेव बावन जिनालय में मंगल प्रवेश हुआ। दर्शन-वन्दन करने के बाद में परम पूज्य गच्छाधिपतिश्री एवं मुनिराजों ने धर्मदेशना प्रदान की। झाबुआ से राणापुर, जोबट, खट्टाली, अलीराजपुर आगमन हुआ। सभी नगरों में गच्छाधिपतिश्री का भव्य स्वागत करते हुए शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश करवाया। यहाँ दो-तीन स्थिरता रहेगी पश्चात् प्रतिष्ठोत्सव के लिए इन्दौर पधारेंगे।

इन्दौर प्रतिष्ठा सम्पन्न कर गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के साथ विहार कर इस वर्ष के चातुर्मासार्थ पिपलौदा पधारेंगे। दिनांक 12-7-2019 को गच्छाधिपतिश्री का चातुमासार्थ भव्य मंगल प्रवेश होगा। पिपलौदा श्रीसंघ में इसके लिए भव्य तैयारियाँ की जा रही है।

योगी-वाणी

जब मन खराब हो तब बुरे शब्द ना बोलें।

क्योंकि

खराब मन को बदलने के अवसर बहुत मिल जायेंगे लेकिन शब्दों को बदलने के अवसर फिर नहीं मिलेंगे।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

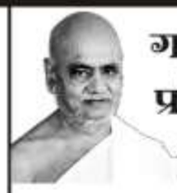

गच्छाधिपतिश्री ने पुण्य-सम्राट प्रतिमा स्थापन का दिया मुहूर्त्त

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, गुमास्ता नगर, इन्दौर में श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रतिमा दिनांक 30 जून 2019 को स्थापित की जायेगी। गच्छाधिपतिश्री की सेवामें गुमास्ता नगर, इन्दौर श्रीसंघ के प्रतिनिधि विहार के अन्तर्गत खट्टाली में प्रतिमा स्थापित करने हेतु विनती करने पहुँचे और विनती-पत्र प्रस्तुत किया। धर्म दिवाकरश्री ने श्रीसंघ की भावना को साकार स्वरूप प्रदान करने हेतु विनती स्वीकार करते हुए स्वीकृति प्रदान की। स्वीकृति प्राप्त होते ही सभी के मुखमण्डल पर हर्ष व्याप्त हो गया। दिनांक 30 जून 2019 को गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में पुण्य-सम्राट की प्रतिमा की स्थापना लाभार्थी परिवार के द्वारा की जायेगी।

श्री रामेश्वरम् में शिलान्यास

उदयपुर (स. सं.),

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में विराजित पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने श्री रामेश्वरम् (तमिलनाडु) में श्री सुमतिनाथ जिनालय तथा विश्वपूज्य गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी आदि गुरु मन्दिरों का भूमि पूजन-22-6-2019 एवं शिलान्यास- 6-10-2019 का शुभ मुहूर्त्त श्री सुमतिनाथ-राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को प्रदान किया।

ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री जीतमलजी तलावट, बगदापरमलजी हरण, शान्तिलालजी चौपड़ा, शान्तिलालजी हरण, राजेन्द्र चौपड़ा, राजेश गुलेच्छा विशेष रूप से श्री भाण्डवपुर पहुँचे एवं सभी ट्रस्टियों द्वारा पूज्य आचार्यश्री से दक्षिण भारत के रामेश्वरम् पधारने की आग्रहपूर्ण भाव भरी विनती की गई।

आचार्यदेवेशश्री रामेश्वरम् ट्रस्टियों को मुहूर्त्त प्रदान करते हुए

आचार्यश्री ने प्रतिष्ठा महोत्सव की सफलता के लिए दिया आशीर्वाद

उदयपुर (स. सं.),

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में दिनांक 11 जून 2019 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, प्रवचनकार आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. को श्री राजेन्द्र उपाश्रय, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर में 28 जून 2019 को होने वाले प्रतिष्ठा महोत्सव की सफलता के लिए त्रिस्तुतिक श्रीसंघ, इन्दौर के प्रतिनिधियों ने विनती की। गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में आयोजित इस प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए आचार्यदेवेशश्री ने महोत्सव की सफलता हेतु अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया एवं अग्रिम बधाई देते हुए शुभकामना प्रकट की।

आचार्यदेवेशश्री श्रीसंघ सदस्यों को आत्मीय आशीर्वाद प्रदान करते

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

मुनिराजश्री की पावन निश्रा में गुरुमूर्त्ति व मंगल मूर्त्ति की प्रतिष्ठा

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में थराद (थिरपुर) नगर के सुथारा शेरी स्थित श्री शान्तिनाथ जिनालय में थरादरी उद्धारक एवं जिनालय के प्रतिष्ठाकारक, तपस्वी मुनिराजश्री हर्षविजयजी म. सा. एवं थिरपुर महावीर तीर्थोद्धारक श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की गुरुमूर्त्ति एवं मंगल मूर्त्ति प्रतिष्ठा दिनांक 4 जून 2019 से 6 जून 2019 तक त्रिदिवसीय महोत्सव के साथ उल्लास एवं आनन्द के साथ सम्पन्न हुई।

प्रतिष्ठा निमित्त पधारे मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. का दिनांक 4 जून 2019 को मंगल प्रवेश भव्य शोभायात्रा के साथ कराया गया। शोभायात्रा के मार्ग में अनेक स्थानों पर गुरुभक्तों ने गहुँली करके मुनिराजश्री को बधाते हुए स्वागत किया।

त्रिदिवसीय महोत्सव में प्रतिदिन संगीतकारों द्वारा संगीत की स्वरलहरियों के साथ विभिन्न पूजाएँ पढ़ाई गई। रात्रि को संगीतमय भक्ति भावना की गई। तीनों दिन मनमोहक अंगरचना की गई।

दिनांक 6 जून 2019 को शुभ मुहूर्त्त में लाभार्थी परिवारों द्वारा मन्त्रोच्चार की ध्वनि के साथ विधि-विधान के साथ मुनिराजश्री के सान्निध्य में गुरुमूर्त्ति एवं मंगल मूर्त्ति की प्रतिष्ठा सानन्द सम्पन्न की गई। इस पावन प्रसंग पर थराद के निकटवर्ती नगरों एवं अनेक श्रीसंघों के प्रतिनिधि भव्य प्रतिष्ठा के साक्षी बने।

श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर शिलान्यास

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रुत प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में करुणा मन्दिर सेवा प्रतिष्ठान, वेले (पूना-महाराष्ट्र) नगर की धर्मधरा पर श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर का शिलान्यास दिनांक 6 जून 2019 को शुभ मुहूर्त्त में लाभार्थी श्री दीपचन्दजी सोनराजजी कटारिया-संघवी (धाणसा-पूणे) फर्म-अलका स्टील परिवार द्वारा हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रारम्भ पूज्य मुनिराजश्री के प्रभाविक प्रवचन से किया गया। श्री जीरावला पार्श्वनाथ जिन मन्दिर निर्माण के सम्पूर्ण लाभार्थी श्री सोहनराजजी टीकमचन्दजी गुन्देशा, जालोर-पूणे हैं। सम्पूर्ण गुरुमन्दिर, श्रमण उपाश्रय, गौशाला, प्याऊ, पानी की टंकी आदि का लाभ संघवी परिवार ने लिया है। 550 गौमाता से सुशोभित गौशाला की 120 दिन की तिथियों का लाभ विविध पुण्यशाली परिवारों ने लिया।

मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में 12 जून 2019 को कराड़ नगर में श्री नमिनाथ जिनमन्दिर का वार्षिक ध्वजारोहण उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

यहाँ से मुनिराजश्री विहारानुक्रम में अनेक नगरों में धर्मसन्देश प्रदान करते हुए बीजापुर चातुर्मासार्थ पधार रहे हैं। दक्षिण भारत में आपश्री का प्रथम चातुर्मास है और आपकी निश्रा में बीजापुर चातुर्मास में अनेक धार्मिक, सामाजिक अनुष्ठान सम्पन्न होंगे।

संघवीजी की अनूठी क्षमापना

उदयपुर (स. सं.),

जीवित महोत्सव क्या होता है, यह हमें परम गुरुभक्त जिन-वचन प्रेमी, सुप्रसिद्ध चिन्तक श्री जे. के. संघवीजी ठाणे (महाराष्ट्र) निवासी से सीखना चाहिये। श्री संघवीजी द्वारा देश में प्रथम बार ऐसी अनूठी पहल की है जिसकी जितनी भी अनुमोदना की जाय वह कम है। आपने देश के विभिन्न नगरों में जाकर लगभग 1500 लोगों से जीवन में जाने या अनजाने में हुई भूलों और गलतियों के लिए मिच्छामि दुक्कडम् कर सम्पूर्ण मानव जाति के लिए अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

वर्तमान में किसी प्रियजन के मरणोपरान्त अन्तराय कर्म निवारण पूजाएँ आदि पढ़ाई जाती है। जिस व्यक्ति ने अन्तराय कर्म बान्धे वह तो नहीं रहा, जो अन्तराय कर्म पूजा पढ़ा रहे है उन्होंने ऐसा कोई अन्तराय कर्म का बन्धन नहीं किया तो फिर ऐसी पूजा का क्या औचित्य ? श्री संघवीजी ने भी अपने मरणोपरान्त अन्तराय कर्म पूजा पढ़ाने के बजाय अपने जीवन काल में प्रत्येक उस व्यक्ति से सम्पर्क कर क्षमायाचना कर रहे हैं, जिनसे उनका जीवन काल में कोई न कोई सम्पर्क रहा है। व्यक्तिशः क्षमायाचना का अनुभव और आनन्द बिरले व्यक्ति ही प्राप्त कर सकते हैं। श्री जे. के. संघवीजी प्रत्येक व्यक्ति से क्षमायाचना करते हुए उनके धर्म मार्ग में उपयोगी स्वाध्याय प्रेरक पुस्तकें, पूजा की जोड़ी, चरवला, घड़ी आदि भेंट भी कर रहे है। यतीन्द्र वाणी परम गुरुभक्त के इस अनूठे कार्य की प्रशंसा एवं अनुमोदना करता है। आप स्वस्थ एवं दीर्घायु रहते हुए जिनशासन की उत्कृष्ट धर्म प्रभावना करें, यही मंगल-मनीषा।

भाण्डवपुर महातीर्थ निर्माण यात्रा

उदयपुर (स. सं.),

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में मूलनायक भगवान् श्री महावीरस्वामीजी के परिकर, गादी, पबासन एवं छत में जयपुरी कलम से पैन्टिंग कार्य तीव्र गति से चालू है। साथ ही नग लगाने का कार्य भी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के मार्गदर्शन में तथा शिल्पकार श्री मनोज सोमपुरा एवं श्री जयप्रकाश प्रजापत (जयपुर) द्वारा पूर्ण तत्परता से यह कार्य किया जा रहा है।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्द-विजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व विख्यात श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर के चबूतरे का कार्य कमल पत्ती शिल्पकला के साथ प्रगति पर चल रहा है।

पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरि समाधि मन्दिर में भी चबूतरे का कार्य कमल पत्ती शिल्पकला मण्डित कार्य प्रगति पर है।

72 कक्षीय धर्मशाला की नींव तक कार्य पूर्ण व रेती भर्ती का कार्य प्रगति पर गतिमान है।

श्री राजेन्द्रसूरि सभा मण्डप भवन का छत भराई हेतु कार्य प्रगति पर है। इतिहास के स्वर्ण पृष्ठों पर मण्डित होने वाले इस महातीर्थ में आवश्यक निर्माण कार्य आचार्यदेवेशश्री के कुशल मार्गदर्शन में श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) द्वारा इस तीर्थ को महातीर्थ के रूप में भव्यता प्रदान की जा रही है।

जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक
यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

स्नात्र महोत्सव अठारह अभिषेक एवं योगिराज की पुण्यतिथि एवं समाधि मन्दिर का वार्षिक ध्वजारोहण की चित्रमय झलकियाँ

स्नात्र महोत्सव व अठारह अभिषेक

मुनिराजश्री मन्त्रोच्चार करते

नयनाभिराम अंगरचना

आचार्यश्री गुरुदर्शन करते हुए

मुनिराजश्री के साथ लाभार्थी परिवार

56 दिक्कुमारियों की अभिव्यक्ति देख प्रसन्न मुद्रा में मुनिराजश्री

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

✲ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✲
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेड़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

श्री राजेन्द्र-धनवन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्यावन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।
✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222